दिनांक 17 मार्च, 2018 को आड्रे हाउस में सम्मान एवं सलाम अवार्ड्स के अवसर पर माननीया राज्यपाल जी के अभिभाषण के मुख्य बिन्दुः—

- मुझे ''सम्मान एवं सलाम ट्रस्ट'' द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में सम्मिलित होकर अपार प्रसन्नता हो रही है। ट्रस्ट द्वारा देश के Military and Paramilitary forces के शहीद परिवारों को सम्मानित करने का विचार अत्यन्त ही नेक है। मैं इसकी तहे दिल से सराहना करती हूँ।
- इन शहीदों के शौर्य एवं वीरता पर पूरे देशवासियों को गर्व है। मैं राष्ट्र के ऐसे वीर सपूत को नमन करती हूँ तथा उनके परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट करती हूँ।
- इस अवसर पर मैं कहना चाहूँगी कि भारत देश वीरों की भूमि है। देश की स्वतंत्रता प्राप्ति के पूर्व हमारे महान स्वतंत्रता सेनानियों ने देश का ब्रिटिश शासन से मुक्ति हेतु अपना तन—मन—धन सब कुछ न्यौछावर कर दिया।
- सभी का एक मात्र लक्ष्य व मकसद था— भारत माँ की आज़ादी। उनके लम्बे संघर्ष और त्याग का ही परिणाम है कि आज हमें स्वतंत्र राष्ट्र के नागरिक कहलाने का सौभाग्य एवं गौरव प्राप्त हुआ है।
- जहाँ हमें वीर स्वतंत्रता सेनानियों के कड़े संघर्ष और त्याग के कारण आज़ादी मिली, वहीं हमारे जवान स्वतंत्र राष्ट्र की बाह्य एवं आंतरिक सुरक्षा के प्रति सदैव सचेष्ट रह रहे हैं। देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता की रक्षा हेतु हमारे वीर सैनिक दिन—रात पूरे जोश व जज़्बे के साथ अपने कर्त्तव्यों के निर्वहन हेतु डटे रह रहे हैं। मैं ऐसे जाबांज सैनिकों को सलाम

करती हूँ। यूँ समझें जब हमारे जवान जग कर सीमाओं पर पूरी मुस्तैदी से डटे रहते हैं, तब हम रात में चैन से सोते हैं।

- हमारे वीर सैनिकों ने कठिन व विपरीत हालात में भी राष्ट्रप्रेम की भावना को सदैव प्रबल बनाये रखते हुए प्रत्येक चुनौती का सामना किया है तथा हमारे राष्ट्र के प्रति नापाक इरादे वाले लोगों को कड़ा जबाब दिया है।
- राष्ट्र की एकता एवं अखंडता की रक्षा करते हुए हमारे वीर सैनिकों ने अपने प्राण की आहुति तक देने में भी जरा संकोच नहीं किया है। भारत माता के ऐसे वीर सपूतों पर देश के हर नागरिक को गर्व है।
- हमारे वीर सैनिक राष्ट्रप्रेम की भावनाओं के साथ दिन–रात अपने कर्त्तव्यों का पालन करने हेतु सदैव तत्पर रहते हैं। इस अवसर पर कहना चाहूँगी कि शहीद किसी घर, परिवार या समाज की ही सिर्फ धरोहर नहीं होते, बल्कि पूरे राज्य और देश के गौरव होते हैं। जनमानस की भावना सदा ऐसे वीर सपूतों के के साथ रहती है।
- अन्त में, मैं पुनः राष्ट्र के सभी महान सपूतों को नमन करती हूँ, जिन्होंने राष्ट्र की एकता और अखंडता की रक्षा को अपने जीवन से अहम माना तथा उनके लिए "Nation First" राष्ट्र सबसे पहले रहा है।
- इस अवसर पर मैं इन शहीद जवानों के परिजनों से भी कहना चाहूँगी कि वास्तविक सम्मान इन शहीदों के सौरभ एवं कृत्य है, जिसे कोई मिटा नहीं सकता और भूला नहीं सकता। ये राष्ट्र उनका सदा ऋणी रहेगा।

जय हिन्द!

जय जवान! जय किसान! जय विज्ञान!